বরাবর

মুহ্তারাম মুফ্তি সাহেব দা. বা.
মারকাযুল মাআরিফিন নো'মানিয়া
বসিলা, মোহাম্মদপুর, ঢাকা- ১২০৭

ইস্তিফতা নং ২৩৭/খ
তারিখ: ২৫/১২/১৪৪২ ং
মারকাযুল মাআরিফিন নো'মানিয়া,
বসিলা, মোহাম্মদপুর, ঢাকা-১২০৭

প্রশ্ন: শ্রদ্ধেয় মুফতি সাহেবের কাছে আমার প্রশ্ন: আমাদের এলাকার এক দম্পতির মাঝে কথা-কাটাাটি হয়। কথা-কাটাাটির এক পর্যায়ে স্বামি তার স্ত্রীকে বলে বসে তুই যদি খালেকের বাড়ী যাস তাহলে তুই তালাক হয়ে যাবি। উল্লেখ্য আ: খালেক সাহেব তার নিজস্ব বাড়ী অনেক আগেই বিক্রি করে দিয়েছে। আ: খালেক সাহেব যে বাড়ীতে থাকেন সেটা তার স্ত্রীর বাড়ী ছিল। গত ৮-১০ বছর আগেই আ:খালেক সাহেবের স্ত্রী বাড়ীটি তার ছেলে আর নতির নামে লিখে দিয়েছে। এমন পরিস্থিতিতে যদি আ: খালেক সাহেবের মেয়ে বাড়ীতে কোন ধরনের তালাকের ঝামেলা ছাড়া তার বাপের বাড়ী যেতে চায় তাহলে করণীয় কি? বি. দ্র: আ: খালেক সাহেব গুরতর অসুস্থ। যে কোন সময় মারা যেতে পারে। এজন্য একটু জররু ভিত্তিতে মাসআলাটা দরকার।

নিবেদক:
মুসলিম বাংলা এ্যাপস

মারকাযুল মাআরিফিন নো'মানিয়া
মোহাম্মদপুর, ঢাকা-১২০৭

Scanned with CamScanner

بسم الله الرحمن الرحيم

ফতোয়া বিভাগ
মারকাযুল মাআরিফিন নো'মানিয়া
বসিলা, মোহাম্মদপুর, ঢাকা-১২০৭

ফতোয়া নং ১৩৭/খ
তারিখ: ২১/৩/২৪ ইং
মোবাইল: ০১৭৭৩৮২৯৫২

حامدا ومصليا ومسلما

উত্তর: ১. প্রশ্নোক্ত মহিলা যদি আ: খালেক সাহেবের বসবাসরত বাড়ীতে যায় তাহলেও তার উপর এক তালাকে রজঈ (প্রত্যাহার যোগ্য তালাক) পতিত হবে। আর এভাবে তালাক হওয়ার পর উক্ত দম্পতি পুনরায় ঘর-সংসার করতে চাইলে ইদ্দতের মধ্যে (তালাকের পর তিন মাসিকের মধ্যে) স্বামী স্ত্রীকে মৌখিকভাবে "তোমাকে ফিরিয়ে নিলাম" বলার মাধ্যমে কিংবা স্বামী স্ত্রী সুলভ কোন আচরনের মাধ্যমে ফিরিয়ে এনে ঘর সংসার করতে পারবে। তবে ইদ্দত শেষ হয়ে গেলে বিবাহ নবায়ন ছাড়া পুনরায় ঘর সংসার করতে পারবেনা। আর স্ত্রীকে ফিরিয়ে আনার পর সেই বাড়ীতে গেলে পুনরায় তার উপর তালাক পতিত হবেনা।

উল্লেখ্য, এমন পরিস্থিতিতে যদি আ: খালেক সাহেবের মেয়ে কোন ধরণের তালাকের ঝামেলা ছাড়া তার বাবার সাথে সাক্ষাত করতে চায় তাহলে তার বাবাকে নিজ স্বামীর বাড়ীতে কিংবা অন্য কোন আত্মীয়-স্বজনের বাড়ীতে নিয়ে সাক্ষাত করতে হবে।

২. প্রশ্নোক্ত ক্ষেত্রে এক তালাক পতিত হওয়ার পর স্বামী আর মাত্র দুই তালাকের মালিক থাকবে। কখনো একত্রে বা ভিন্ন ভিন্নভাবে এই দুটি তালাকও দিয়ে ফেললে উক্ত স্ত্রী তার জন্য সম্পূর্ণভাবে হারাম হয়ে যাবে। সেক্ষেত্রে স্বাভাবিকভাবে পুনরায় বিয়েরও সুযোগ থাকবেনা।

<u>**المصادر والمراجع للجواب**</u>

أدلة الشق الأول من العربية:

قوله تعالى: ((وبعولتهن أحق بردهن)) سورة البقرة:٢٢٨

فتاوى قاضيخان، (٤٨/٢،مكتبة الاتحاد) كتاب الأيمان.

ولوحلف لا يدخل دار فلان ولم ينو شيئا ، فدخل دارا يسكنها فلان بإجارة أو إعارة، ذكر الناطفي رحـ يحنث في يمينه ، فإن دخل دارا مملوكة لفلان وفلان لايسكنها حنث أيضا.

الفتاوى التتارخانية، (٥٤/٥، زكريا) كتاب الطلاق.

إذا علق طلاق امرأته بفعلها أن جعل التعليق بكلمة إن وإذا وإذاما طلقت واحدة بفعلها ، إن حصل التعليق بإن وإذ وإذاما ومتى ومتى ما، فهذا على مرة واحدة، حتى لو فعلت ذلك الفعل مرة واحدة وقع الطلاق، ولو فعلت ذلك الفعل مرة أخرى لا يقع الطلاق.

الهداية مع الكفاية (١٥٢/٣، دار الكتب العلمية) كتاب الطلاق، باب الرجعة.

وإذا طلق الرجل زوجته تطليقة رجعية أو تطليقتين فله أن يراجعها في عدتها رضيت بذلك أو لم ترض.

الأشباه والنظائر، (٣٥٢/٢،زكريا) القاعدة التاسعة:إعمال الكلام أولى من إهماله متى أمكن فإن لم يمكن أهمل. (وفي ص: ٥٣٣) ومنها لو وقف على أولاده، وليس له إلا أولاد أولاد، حمل عليهم صونا للفظ عملا بالمجاز.

الفتاوى الهندية (٤٨٨/١، مكتبة الاتحاد) كتاب الطلاق.

وإذا أضافه إلى الشرط وقع عقيب الشرط اتفاقا مثل أن يقول لامرأته إن دخلت الدار فأنت طالق

Scanned with CamScanner

(وفي ص :٤٨٦ منه) رجل قال كل امرأة أتزوجها أبدا في قرية كذا فهي طالق، ثم أخرج امرأة من تلك القرية فتزوجها، لاتطلق.

الدر المختار، (٢٧٣/٣، سعيد) كتاب الطلاق.

أنت طالق ثنتين مع عتق مولاك إياك فأعتق سيدها طلقت ثنتين وله الرجعة لوجود التطليق بعد الإعتاق ؛ لأنه شرط.

الموسوعة الفقهية، (٤١/٢٩) طلاق.

إذا علق الزوج الطلاق على شرط ، فإنه ينحل بحصول الشرط المعلق عليه مرة واحدة مع وقوع الطلاق به على الزوجة في هذه المرة فإذا عادت إليه ثانية في العدة أو بعدها لم تقع عليها به طلقة أخرى لانحلاله.

مراجع الجواب من الأردية

کتاب الفتاوی (١١٥،١١٦/٥) میری ماں کے گھر ان کے جنازہ میں شرکت کی تو طلاق.

أدلة الشق الثاني من العربية:

الفتاوى الهندية (٤٨٨/١، مكتبة الاتحاد) كتاب الطلاق.

إذا كان الطلاق بائنا دون الثلاث، فله أن يراجعها في العدة وبعد انقضائها، وإن كان الطلاق ثلاثا في الحرة وثنتين في الأمة لم تحل له حتى تنكح زوجا غيره نكاحا صحيحا، ويدخل بها ثم يطلقها أو يموت عنها.

مراجع الجواب من الأردية

کتاب الفتاوی (١١٥،١١٦/٥)

طلاق رجعی کا حکم یہ ہے کہ اگر عدت کے اندر اندر زید اپنی بیوی کو لوٹالے تو اس کا نکاح باقی رہے گا، البتہ آئندہ زید کو دو ہی طلاق کا حق باقی رہے گا اور اگر اس نے بعد میں دو طلاق دی تو وہ زید پر مکمل طور پر حرام ہو جائے گی۔

والله أعلم وعلمه أتم وأحكم
مستفيض الرحمن عفي عنه
التخصص في الفقه والإفتاء
بمركز المعارف النعمانية
بصيلا، محمد بور، دكا- ١٢٠٧

الجواب صواب
محمد توحيد الاسلام

নায়েবে মুফতি
মারকাযুল মাআরিফিন নো'মানিয়া,
বছিলা, মোহাম্মাদপুর, ঢাকা-১২০৭

الجواب صحيح

প্রধান মুফতি
মারকাযুল মাআরিফিন নো'মানিয়া,
বছিলা, মোহাম্মাদপুর, ঢাকা-১২০৭

মারকাযুল মাআরিফিন নো'মানিয়া
মোহাম্মদপুর, ঢাকা-১২০৭